आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 22.10.2026 समय : 0705

<><><><><><><>

1. कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान–रबी 2026' की शुरुआत करेंगे।
2. श्री विजयपुरम को अफ्रीकन स्वाइन फीवर का केंद्र घोषित किया गया– इससे मानव स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं।
3. सांसद ने उपराज्यपाल से अंतर–द्वीपीय मरीजों को मुफ्त यात्रा खर्च प्रदान करने संबंधी योजना को अंतिम रूप देने का आग्रह किया।
4. पर्यटन विभाग, की ओर से रैम्प योजना के तहत 8–दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><>

कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज हरियाणा के करनाल से देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान–रबी 2026' की शुरुआत करेंगे। यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य कृषि को बढ़ावा देना, मिट्टी की सेहत में सुधार करना और कृषि संसाधनों को प्रोत्साहित करना है। किसानों को जैविक और जैव–आधारित कृषि उत्पादों के उचित उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभियान के अंतर्गत राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर किसान सम्मेलन, किसान चौपाल, प्रशिक्षण सत्र और खेतों में प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

<><><><><><><>

भारतीय–कृषि अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल द्वारा प्रयोगशाला में पुष्टि किए जाने के बाद, 'पशुओं में संक्रामक एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम, 2009' के तहत श्री विजयपुरम को अफ्रीकी स्वाइन फीवर का केंद्र घोषित किया गया है। अफ्रीकी स्वाइन फीवर इंसानों को संक्रमित नहीं करता है और इससे मानव स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं है। श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग, राजस्व और पुलिस की ओर से संयुक्त रूप से कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत पहचान एवं सत्यापन प्रक्रिया जारी है। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सूअरों को मानवीय तरीके से मारा जा रहा है। सूअर पालकों को प्रत्येक सूअर के वजन के आधार पर भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार मुआवजा भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जाएगा। अगले आदेश तक पूरे द्वीप समूह में जीवित सूअरों,

सूअर के चारे, पोर्क और उससे बने उत्पादों के परिवहन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रशासन ने सूअर पालकों से किसी भी बीमार या मृत सूअर की सूचना तुरंत देने का अनुरोध किया है।

<><><><><><><>

पंचायत समिति ने पशुपालन और पशुचिकित्सा विभाग के सहयोग से कल हट बे में अफ्रीकन स्वाइन फीवर पर जागरूकता शिविर आयोजित किया। इस अवसर पर पंचायत समिति प्रमुख ने बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए प्रशासन, पशुचिकित्सा विभाग, पंचायती राज संस्थाओं, किसानों और आम जनता के समन्वित प्रयासों के महत्व पर बल दिया। प्रतिभागियों को स्वच्छता और जैविक सुरक्षा बनाए रखने, हट बे जेटी और हेलीपैड पर विशेष निगरानी और सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। उच्च अधिकारियों के निर्देशों के आधार पर सुअरों के शवों को दफनाने दो अलग–अलग स्थलों की पहचान की गई है।

<><><><><><><>

दूरदर्शन केंद्र, श्री विजयपुरम की ओर से आज शाम विशेष लाइव फोन–इन कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा। अफ्रीकन स्वाइन फीवर – लक्षण एवं सावधानियां विषय पर पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के निदेशक डॉ. के. ए. नवीन विशेषज्ञ के रूप में दर्शकों के प्रश्नों का उत्तर देंगे। कार्यक्रम शाम साढ़े पांच बजे से 6 बजे तक प्रसारित किया जाएगा। इस संबंध में किसी भी शंका के समाधान के लिए दर्शक फोन संख्या 244745 और 245662 के माध्यम से अपने प्रश्न पूछ सकते हैं।

<><><><><><><>

सांसद बिष्णु पद रे ने उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा से अंतर–द्वीपीय स्वास्थ्य संस्थानों से इलाज के लिए जीबी पंत अस्पताल रेफर किए गए मरीजों को मुफ्त या प्रतिपूर्ति यात्रा खर्च प्रदान करने संबंधी योजना को शीघ्र अंतिम रूप देने का आग्रह किया है। उपराज्यपाल को लिखे अपने पत्र में सांसद ने कहा कि योजना में देरी से गरीब और जरूरतमंद द्वीपवासियों को भारी वित्तीय कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने उपराज्यपाल से पीएम आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र मरीजों को मिलने वाली परिवहन सहायता की तर्ज पर प्रस्तावित मुफ्त परिवहन योजना को शीघ्र अंतिम रूप देने व लागू करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करने का अनुरोध किया।

<><><><><><><>

पर्यटन विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फोटोग्राफी, नोएडा के सहयोग से रैम्प योजना के तहत 8–दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, ड्रोन इमेजिंग, कैमरा हैंडलिंग और पोस्ट–प्रोडक्शन के साथ–साथ अंडरवाटर फोटोग्राफी तथा

एस्ट्रो–फोटोग्राफी पर विशेष सत्र शामिल होंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम श्री विजयपुरम में 26 अक्टूबर से आपदा प्रबंधन निदेशालय के प्रशिक्षण सभागार में शुरू होगा। स्वराज द्वीप में 3 नवंबर से और शहीद द्वीप में 12 नवंबर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे, जबकि रंगत, मायाबंदर, डिगलीपुर, लॉन्ग आइलैंड और कैंपबेल बे के उम्मीदवारों को श्री विजयपुरम में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। संबंधित सभी आवेदकों को पर्यटन विभाग के ई–मेल के माध्यम से अपनी भागीदारी की पुष्टि करने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों के समन्वय के साथ सभी मछली बाजारों में औचक निरीक्षण किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मछलियों को ताजा रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हानिकारक रसायनों का पता लगाना था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मछली के नमूने एकत्र कर वैज्ञानिक परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजा। प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मछली के नमूनों में फॉर्मेलिन या अमोनिया जैसा कोई भी हानिकारक रसायन नहीं पाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मछली विक्रेताओं को मानव स्वास्थ्य पर रासायनिक परिरक्षकों के बुरे प्रभावों और कानून के तहत होने वाली कानूनी कार्रवाई के बारे में बताया। खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने आम जनता से किसी भी प्रकार की शिकायत की सूचना जिला कार्यालय नियंत्रण कक्ष में देने को कहा है।

<><><><><><><><>

मत्स्य पालन निदेशालय ने 'अंडमान निकोबार द्वीप समूह समुद्री मत्स्य पालन नियम' के तहत अधिसूचित निर्दिष्ट समुद्री क्षेत्रों को ओपन सी केज कल्चर, समुद्री शैवाल की खेती और मोती पालन के लिए पट्टे पर देने हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन पत्र, पात्रता, नियम व शर्तें और अधिसूचित समुद्री क्षेत्रों के विवरण प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र 15 नवम्बर तक मत्स्य पालन निदेशालय के कार्यालय में सीधे या ई–मेल के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं।

<><><><><><><><>

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आपदा प्रबंधन निदेशालय और ग्राम पंचायत मीठाखाड़ी के समन्वय से कल मीठाखाड़ी में 'सुनामी रेडी प्रोग्राम' के क्रियान्वयन के तहत जागरूकता व समीक्षा कार्यक्रम आयोजित की। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य आधारभूत जानकारी एकत्र व सत्यापित करना, सुनामी से सुरक्षित क्षेत्रों की पहचान करना, डीडीएम द्वारा प्रदान की गई सूचना, शिक्षा और संचार सामग्रियों का वितरण करना तथा आपदा प्रतिक्रिया की मौजूदा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर सुनामी जोखिमों के प्रति ग्राम स्तर पर तैयारी को मजबूत करना था। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों, प्रशिक्षित शिक्षकों, ग्राम स्तरीय सुनामी रेडी प्रोग्राम कमेटी के सदस्यों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया।